

परीक्षा में लापरवाही पर शिक्षा बोर्ड का कड़ा एक्शन, केंद्र अधीक्षकों को थमाए नोटिस

■ सी.सी.टी.वी. लाइव निगरानी
में पकड़ी गई लापरवाही

धर्मशाला, 23 सितम्बर (सुनील)
: हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड
ने परीक्षाओं में कोताही बरतने वाले
केंद्रों पर सख्त रुख अपनाते हुए
संबंधित केंद्रों के अधीक्षकों को
कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

बोर्ड ने सी.सी.टी.वी. कैमरों के
जरिए परीक्षा केंद्रों की लाइव निगरानी
की, जिसमें कई जगहों पर नियमों
की अनदेखी पकड़ी गई। परीक्षाओं
के सुचारू संचालन और पारदर्शिता
बनाए रखने के लिए बोर्ड द्वारा
आधुनिक तकनीक का पूरा सहारा
लिया जा रहा है।

लाइव निगरानी के दौरान यह
सामने आया कि कुछ केंद्रों पर बोर्ड
के तय दिशा-निर्देशों का पालन पूरी



निष्ठा से नहीं किया जा रहा था।
मुख्यालय स्तर पर पकड़ी गई इस
कोताही के बाद बिना देर किए
लापरवाह अधिकारियों को नोटिस
थमा दिए गए हैं ताकि भविष्य में इस
तरह की गलतियों को दोबारा न
दोहराया जाए।

नोटिस पाने वाले सभी केंद्र
अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षकों और
समन्वयकों को तय समय सीमा के
भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण देने
के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद
प्राप्त जवाब और सी.सी.टी.वी. फुटेज
की बारीकी से जांच की जाएगी ताकि

बोर्ड परीक्षाओं की पवित्रता

और पारदर्शिता से
किसी भी प्रकार का
समझौता नहीं किया
जाएगा।



सी.सी.टी.वी. के
माध्यम से हमारी हर गतिविधि पर पैनी
नजर है और जहां भी दिशा-निर्देशों
की अनदेखी पाई जाएगी, वहां सीधे
तौर पर संबंधित अधिकारियों की
जवाबदेही तय की जाएगी। सभी परीक्षा
केंद्रों को सख्त हिदायत दी गई है कि
वे बोर्ड के नियमों का अक्षरशः पालन
सुनिश्चित करें और लापरवाही बरतने
वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी
कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

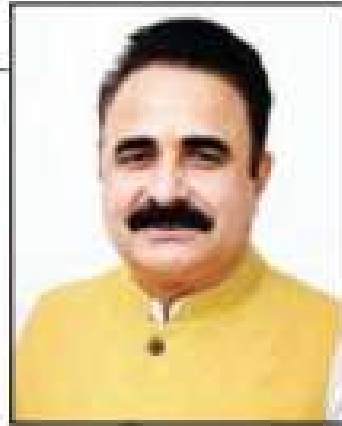
- डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल
प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड

परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी
बनी रहे।

Anant Gyan Dt. 24-09-2026

सीसीटीवी ने पकड़ी परीक्षा केंद्रों की लापरवाही : डॉ. राजेश शर्मा

अनंत ज्ञान



तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी स्तर की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों को बोर्ड के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

◆ बोर्ड ने केंद्र अधीक्षकों व समन्वयकों को थमाए कारण बताओ नोटिस

नोटिस प्राप्त अधिकारियों को निर्धारित समय में

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा केंद्रों पर बरती जा रही लापरवाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बोर्ड की सीसीटीवी लाइव निगरानी के दौरान कुछ केंद्रों पर निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों की अनदेखी सामने आई। इसके बाद संबंधित केंद्र अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षकों और समन्वयकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

सीसीटीवी निगरानी से सामने आई खामियां बोर्ड परीक्षाओं के सुचारु और पारदर्शी संचालन के लिए सीसीटीवी के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की निगरानी कर रहा है। इसी दौरान कुछ केंद्रों पर निर्धारित प्रक्रिया के पालन में लापरवाही पाई गई। बोर्ड प्रबंधन ने

लिखित स्पष्टीकरण देना होगा। उनके जवाब और सीसीटीवी फुटेज समेत उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच के बाद नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

परीक्षा में लापरवाही पर अधिकारियों को नोटिस

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई कोताही पर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने पूछा कारण

■ केंद्र अधीक्षकों और समन्वयकों से मांगा जवाब



दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

बोर्ड ने लिखित में मांगा स्पष्टीकरण

बोर्ड ने नोटिस प्राप्त करने वाले सभी अधिकारियों को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए हैं। अब इन अधिकारियों से प्राप्त होने वाले स्पष्टीकरण और उपलब्ध सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सहित अन्य तथ्यों की गहन जांच की जाएगी। जांच के उपरांत, नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बोर्ड का यह एक्शन साफ संकेत देता है कि परीक्षाओं में ढिलाई बरतने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पर नियमों की अनदेखी सामने आई। इस गंभीर लापरवाही पर कड़ा संज्ञान लेते हुए शिक्षा बोर्ड ने संबंधित परीक्षा केंद्रों के अधिकारियों को कारण बताओ

नोटिस जारी कर दिए हैं, जिससे शिक्षा महकमे में हड़कंप मच गया है। बोर्ड द्वारा परीक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा

है। जानकारी के अनुसार, निगरानी के दौरान कुछ परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड द्वारा तय किए गए नियमों और दिशा-निर्देशों के पालन में भारी लापरवाही बरती जा रही थी। यह पूरी कार्यप्रणाली मुख्यालय की नजर से नहीं बच सकी और सीसीटीवी सर्विलांस में लापरवाही पकड़ी गई। इसके तुरंत बाद बोर्ड प्रबंधन ने एक्शन लेते हुए संबंधित परीक्षा केंद्रों के केंद्र अधीक्षक, उप-केंद्र अधीक्षक और केंद्र समन्वयकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने इस मामले में

कड़ा रुख अख्तियार किया है। उन्होंने दो ठूक शब्दों में कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर होने वाली लापरवाही को बोर्ड बेहद गंभीरता से ले रहा है। डा. शर्मा ने कहा, सीसीटीवी के माध्यम से हमारी हर गतिविधि पर पैनी नजर है। जहां भी दिशा-निर्देशों की अनदेखी या निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाएगा, वहां सीधे तौर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों को सख्त हिदायत दी है कि बोर्ड के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एसओएस परीक्षाओं में कोताही बरतने वाले परीक्षा केंद्रों पर कड़ा चाबुक चलाया है। निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षाएं संपन्न करवाने के उद्देश्य से जब बोर्ड ने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से केंद्रों की लाइव निगरानी की, तो कई जगहों

सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई परीक्षा केंद्रों की लापरवाही

जगरण संवाद केंद्र, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा केंद्रों पर नियमों की अनदेखी और लापरवाही के मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। बोर्ड की ओर से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जा रही लाइव निगरानी के दौरान एसओएस की दसवीं व बाहरवीं कक्षा के पेपरों के दौरान कुछ परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन नहीं होने के मामले सामने आए।

इसके बाद संबंधित केंद्र अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षकों और केंद्र समन्वयकों को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर लिखित जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं।

बोर्ड परीक्षाओं के सुचारू, निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। सीसीटीवी सर्विलांस के दौरान केंद्रों की गतिविधियों पर मुख्यालय से नजर रखी जा रही है। इसी निगरानी में कुछ केंद्रों पर निर्धारित प्रक्रिया में कोताही सामने

शिक्षा बोर्ड ने कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर केंद्र अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षकों और समन्वयकों से मांगा लिखित जवाब

आने के बाद बोर्ड प्रबंधन ने तत्काल कार्रवाई की।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर होने वाली लापरवाही को बोर्ड बेहद गंभीरता से ले रहा है। सीसीटीवी के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

उन्होंने परीक्षा केंद्रों को बोर्ड के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने की हिदायत दी। नोटिस प्राप्त करने वाले केंद्र अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षकों और समन्वयकों से तीन सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। बोर्ड प्राप्त जवाब के साथ उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज और अन्य तथ्यों की भी जांच करेगा। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तीसरी आंख की नजर : सीसीटीवी में कैद हुई परीक्षा केंद्रों की लापरवाही

शिक्षा बोर्ड ने थमाया 'कारण बताओ नोटिस'

शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा सख्त; केंद्र अधीक्षकों और समन्वयकों से मांगा जवाब

स्पष्ट किया- परीक्षा की पारदर्शिता से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं



अधीक्षक और समन्वयकों को 'कारण बताओ नोटिस' जारी कर दिए हैं।

बोर्ड द्वारा परीक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, निगरानी के दौरान कुछ परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड द्वारा तय किए गए नियमों और दिशा-निर्देशों के पालन में भारी लापरवाही बरती जा रही थी। यह पूरी कार्यप्रणाली मुख्यालय की नजर से नहीं बच सकी और सीसीटीवी सर्विलांस में लापरवाही पकड़ी गई। इसके तुरंत बाद बोर्ड प्रबंधन ने एक्शन लेते हुए संबंधित परीक्षा केंद्रों के केंद्र अधीक्षक (सेंटर सुपरिंटेंडेंट), उप-केंद्र अधीक्षक और केंद्र

गोपनीयता और निष्पक्षता से समझौता नहीं : डॉ. राजेश शर्मा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस मामले में कड़ा रुख अख्तियार किया है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर होने वाली लापरवाही को बोर्ड बेहद गंभीरता से ले रहा है। डॉ. शर्मा ने कहा, 'सीसीटीवी के माध्यम से हमारी हर गतिविधि पर पैनी नजर है। जहां भी दिशा-निर्देशों की अनदेखी या निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाएगा, वहां सीधे तौर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।' उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों को सख्त हिदायत दी है कि बोर्ड के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए।



लिखित जवाब और फुटेज के आधार पर गिरेगी गाज

बोर्ड ने नोटिस प्राप्त करने वाले सभी केंद्र अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षक और समन्वयकों को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए हैं। अब इन अधिकारियों से प्राप्त होने वाले स्पष्टीकरण और उपलब्ध सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सहित अन्य तथ्यों की गहन जांच की जाएगी। जांच के उपरांत, नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित केंद्र अधीक्षको, उप-केंद्र अधीक्षक और समन्वयकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बोर्ड का यह एक्शन साफ संकेत देता है कि परीक्षाओं में ढिलाई बरतने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पहली नजर ब्यूरो/धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने परीक्षाओं में कोताही बरतने वाले परीक्षा केंद्रों पर कड़ा चाबुक चलाया है। निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षाएं संपन्न करवाने के उद्देश्य से जब बोर्ड ने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से केंद्रों की लाइव निगरानी की, तो कई जगहों पर नियमों की अनदेखी सामने आई। इस गंभीर लापरवाही पर कड़ा संज्ञान लेते हुए शिक्षा बोर्ड ने संबंधित परीक्षा केंद्रों के अधीक्षकों, उप-केंद्र

समन्वयकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं।

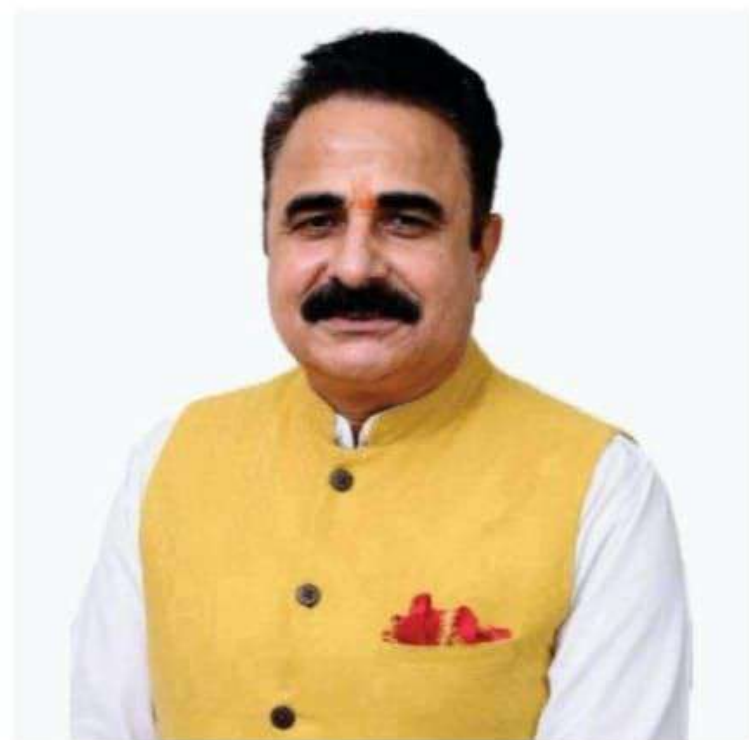
तीसरी आंख की नज़र: CCTV में कैद हुई परीक्षा केंद्रों की लापरवाही

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने परीक्षाओं में कौताही बरतने वाले परीक्षा केंद्रों पर कड़ा चाबुक चलाया है। निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षाएं संपन्न करवाने के उद्देश्य से जब बोर्ड ने CCTV कैमरों के माध्यम से केंद्रों की लाइव निगरानी की, तो कई जगहों पर नियमों की अनदेखी सामने आई। इस गंभीर लापरवाही पर कड़ा संज्ञान लेते हुए शिक्षा बोर्ड ने संबंधित परीक्षा केंद्रों के अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षक और समन्वयकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं। CCTV सर्विलांस ने खोली पोल, तय होगी जवाबदेही बोर्ड द्वारा परीक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, निगरानी के दौरान कुछ परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड द्वारा तय किए गए नियमों और दिशा-निर्देशों के पालन में भारी लापरवाही बरती जा रही थी। यह पूरी

कार्यप्रणाली मुख्यालय की नजर से नहीं बच सकी और CCTV सर्विलांस में लापरवाही पकड़ी गई। इसके तुरंत बाद बोर्ड प्रबंधन ने एक्शन लेते हुए संबंधित परीक्षा केंद्रों के केंद्र अधीक्षक (Centre Superintendent), उप-केंद्र अधीक्षक और केंद्र समन्वयकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं। गोपनीयता और निष्पक्षता से समझौता नहीं: डॉ. राजेश शर्मा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस मामले में कड़ा रुख अख्तियार किया है। उन्होंने दो ठूक शब्दों में कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर होने वाली लापरवाही को बोर्ड बेहद गंभीरता से ले रहा है। डॉ. शर्मा ने कहा, CCTV के माध्यम से हमारी हर गतिविधि पर पैनी नज़र है। जहां भी दिशा-निर्देशों की अनदेखी या निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाएगा, वहां सीधे तौर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय

की जाएगी। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों को सख्त हिदायत दी है कि बोर्ड के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। लिखित जवाब और फुटेज के आधार पर गिरेगी गाज बोर्ड ने नोटिस प्राप्त करने वाले सभी केंद्र अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षक और समन्वयकों को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए हैं। अब इन अधिकारियों से प्राप्त होने वाले स्पष्टीकरण और उपलब्ध CCTV रिकॉर्डिंग सहित अन्य तथ्यों की गहन जांच की जाएगी। जांच के उपरांत, नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित केंद्र अधीक्षकों, उप-केंद्र अधीक्षक और समन्वयकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बोर्ड का यह एक्शन साफ संकेत देता है कि परीक्षाओं में ढिलाई बरतने वालों को किसी भी सूत्र में बख्शा नहीं जाएगा।

Caught on Camera: CCTV Reveals Negligence at Exam Centers; Education Board Issues 'Show-Cause Notices'



SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA, SEP 23 :Education Board Chairman Dr. Rajesh Sharma takes a tough stance; seeks explanations from center superintendents and coordinators, making it clear that no compromise on exam transparency will be tolerated. The Himachal Pradesh Board of School Education has cracked down on exam centers found negligent during the examinations. While conducting live monitoring of centers via CCTV cameras to ensure fair and transparent exams, the Board discovered instances where rules were being disregarded. Taking serious note of this negligence, the Education Board has issued 'show-cause notices' to the superintendents, deputy superintendents, and coordinators of the concerned exam centers. The Board is utilizing modern technology to ensure the smooth conduct of examinations. Reports indicate that during monitoring, significant negligence regarding adherence to

the Board's rules and guidelines was observed at certain centers. This lapse did not escape the notice of the headquarters, as the negligence was captured on CCTV surveillance. Promptly taking action, the Board management issued show-cause notices to the respective center superintendents, deputy superintendents, and coordinators. Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education, has adopted a stern approach to this matter. He stated unequivocally that the Board views any negligence in the examination process—at any level—with great seriousness. Dr. Sharma remarked, "We are keeping a close watch on every activity via CCTV. Wherever guidelines are ignored or prescribed procedures are not followed, the concerned officials will be held directly accountable." He has issued strict instructions to all exam centers to ensure that the Board's directives are followed to the letter. Action to follow based on written responses and footage: The Board has strictly instructed all recipients of the notices—superintendents, deputy superintendents, and coordinators—to submit their written explanations within a specified timeframe. A thorough investigation will now be conducted, taking into account the clarifications received from these officials, available CCTV footage, and other facts. Following the investigation, if any violations of the rules are established, strict action will be taken against the concerned center superintendents, deputy center superintendents, and coordinators in accordance with the regulations. This move by the Board clearly signals that those who show laxity regarding the examinations will not be spared under any circumstances.